

# Mukhya Mantri Himachal Health Care Scheme (HIMCARE) Launched on 1<sup>st</sup> January, 2019



Amitabh Awasthi, IAS  
Secretary (Health)  
Government of Himachal Pradesh

# Target Group

Beneficiaries not covered under  
Ayushman Bharat-Pradhan Mantri Jan  
Arogya Yojna

Not having the facility of  
Government Medical  
Reimbursement

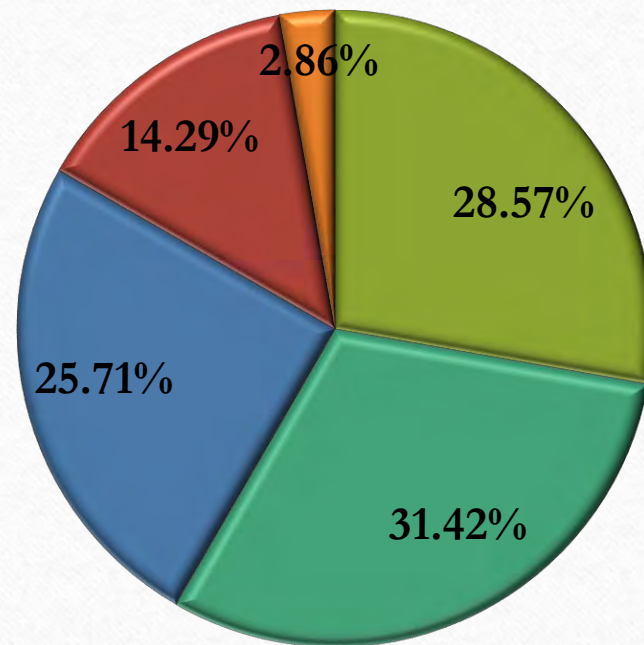


**HIMCARE**



# Himachal Pradesh- On the way to Universal Health Coverage

Total families covered under various schemes after universalizing the health security in HP



- Ayushman Bharat
- HIMCARE
- Regular Govt Employees/ Pensioners
- ESI
- CGHS

# Features



Rs. 5 Lakh cover per family per year



5.13 Lakh families covered



222 Empanelled Hospitals (85 Private) In HP and PGI Chandigarh & GMCH Chandigarh



BES- Option to self apply or through LMK/CSC



E-Card System



Rs. 85.00 Cr. Budget Provision



Assurance Mode



Implementation Support Agency



Online Reimbursement by SHA



Treatment on the basis of pre defined package rates- same as in Ayushman Bharat



Differential subsidized premium



Yearly Renewal

# Differential Premium Slab

Target group	Premium amount
BPL , Registered Street Vendors, MNREGA (Not covered under Ayushman Bharat), Sr. Citizens above 70 years of age, Orphan Children living in Orphanages	Zero ( Documents mandatory for authentication)
<ul style="list-style-type: none"> <li>• Ekal Naaris</li> <li>• Disabled &gt;40%</li> <li>• Anganwari Workers</li> <li>• Anganwari Helpers</li> <li>• ASHA</li> <li>• Mid-Day meal workers</li> <li>• Daily Wage Workers</li> <li>• Part Time</li> <li>• Contractual Employees</li> <li>• Outsource Employees</li> </ul>	Rs. 365 per year ( Documents mandatory for authentication at the time of enrollment)
<b>All others not covered under PMJAY and Medical Reimbursement</b>	<b>Rs 1000 per year</b>

# Milestones Achieved

**Families Covered- 5.13 lakh**

**Number of Patients Treated- 1.96 lakh**

**Amount of Treatment Provided- 180.00 Cr**



# Additional Packages

Package Name	Package Amount
Renal Transplant	Rs. 4.50 lakh
Cardiac Re-synchronization Therapy	Rs. 3.72 lakh
Intra Cardiac Defibrillator Insertion	Rs. 3.20 lakh
Intravascular Ultrasound Catheter	Rs. 45,000
Optical Coherence Tomography	Rs. 72,800



# राहत: अब पीजीआई में भी चलेगा हिमकेयर कार्ड

आयुष्मान और हिमकेयर 51 प्राइवेट अस्पतालों में भी शुरू

हिमाचल दस्तक ब्यूरो। शिमला  
देश के मरीज अब चंझेगढ़ में हिमकेयर कार्ड पर करवा सकेंगे। वहीं, हिमकेयर 51 अस्पतालों में भी लागू शुरू आयुष्मान योजना में एक दिए जा रहा और इस योजना बीमारियों के लिए का इलाज मुक्त करता है।



**दोनों स्कीमों में अब तक 47 हजार मरीजों का निथुल्लक इलाज**  
वह भी विशेष वर्गों के लिए बनाई जाती थी। प्रदेश की जनता को अब प्रदेश के सरकारी अस्पतालों के साथ 51 प्राइवेट अस्पतालों में भी विशेष वर्गों के लिए बनाई जाती थी। प्रदेश की जनता को अब प्रदेश के सरकारी अस्पतालों के साथ 51 प्राइवेट अस्पतालों में भी विशेष वर्गों के लिए बनाई जाती थी। प्रदेश की जनता को अब प्रदेश के सरकारी अस्पतालों के साथ 51 प्राइवेट अस्पतालों में भी विशेष वर्गों के लिए बनाई जाती थी।

योजना शुरू की जो हर वर्ग के लिए जिन्हें किन्हीं से भी मॉडिकल भर्ना में मिलता हो। इस योजना हर वर्ग के स्वास्थ्य का गंवा है। प्रदेश में आयुष्मान कार्ड के तहत 735784 कार्ड चुके हैं।  
वहीं प्रदेश सरकार हिमकेयर योजना के तहत दोपहर तक 6.38 लाख कार्ड बनाए जा चुके थे। है कि आयुष्मान भारत में प्र



## हिमकेयर योजना में हिमाचल को स्कॉच ऑर्डर ऑफ मेरिट अवार्ड

अमर उजाला ब्यूरो

शिमला। हिमकेयर योजना में बेहतरीन कार्य करने पर हिमाचल स्वास्थ्य बीमा योजना सोसायटी को 'स्कॉच ऑर्डर ऑफ मेरिट अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। सोसायटी को यह अवार्ड सोमवार को नई दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में आयोजित 56वें स्कॉच समिट में दिया गया। यह स्कॉच अवार्ड हिमाचल प्रदेश स्वास्थ्य बीमा योजना सोसायटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और विशेष

हिमाचल प्रदेश में जो परिवार आयुष्मान भारत में कवर नहीं हैं, उनके लिए प्रदेश की ओर से हिमकेयर योजना आरंभ की है। यह योजना 1 जनवरी 2023 को शुरू की गई है। सरकार की प्रति वर्ष स्वास्थ्य बजट है। डॉ. राजेंद्र कुशल संवर्धन को प्राचार्य

## कोविड काल में हिमकेयर व आयुष्मान योजना जनता के लिए वनी व अस्पतालों में हिमकेयर व आयुष्मान कार्ड से फ्री इलाज

संगणना, (आपका कैमरा)। राष्ट्रीय विकास परिषदी राज भाग्य कृषि राज्य पशुपालन यंत्रों कोविड-19 के संकट में वृद्धि के दुर्लभ राज सरकार ने हिमकेयर और आयुष्मान भारत योजना के तहत कोविड-19 रोगियों को कोविड के लिए सर्वोच्च पंजीकृत निजी अस्पतालों में नि:शुल्क उपचार प्रदान करने का निर्णय लिया था। कोविड काल में सरकार को इस योजना का संकटपूर्ण परिवारों को लाभ पहुंचा है। उसके लिए सरकार का अर्थ प्रकट करता है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत के तहत 5.16 लाख परिवार और राज्य सरकार को हिमकेयर योजना के

तहत 5.93 लाख परिवार पंजीकृत हुए हैं। और यह सभी परिवार अब कोविड-19 के नि:शुल्क उपचार के लिए पात्र हैं। राज्य सरकार ने प्रदेश में पिछले कुछ दिनों में अतिमहत्वपूर्ण भंडारण क्षमता को संग्रहण 45 कोटिक टन बढ़ाने के अलावा पीएमएच अतिमहत्वपूर्ण संघर्षों को बढ़ावा देने में सक्रियता प्रकट की है। केंद्र ने कहा कि हिमकेयर और आयुष्मान भारत योजना के तहत कितने ऊपर में 98.01 प्रतिशत परिवारों ने अपना पंजीकरण कर लिया है। जिस के पास 24,456 परिवारों में से 27 अप्रैल 2021 तक



25,990 परिवारों ने पंजीकरण कराया गया है। उन्होंने कहा कि पहले पंजीकरण 70.17 प्रतिशत था, लेकिन वस्तुनिष्ठ प्रदर्शनों व सभी के सहयोग से इसे अब बढ़ाकर 98.01 प्रतिशत कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि 19 नवंबर 2020 तक आयुष्मान भारत योजना के तहत कितने ऊपर में 17,161 परिवार पंजीकृत थे तथा इसके बाद 27 अप्रैल तक इस योजना में 6,829 नए परिवार शामिल हुए हैं तथा अब पंजीकृत परिवारों की संख्या 23,990 हो गई है। केंद्र ने कहा कि केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत योजना को सुव्यवस्था में 1 अप्रैल, 2018 को भी।

आयुष्मान भारत योजना का उद्देश्य गरीब, वरिष्ठ राष्ट्रीय परिवारों और गरीब वर्गों के परिवारों को निर्यात केन्द्रों की आवश्यकता का लाभ देना है, जबकि केंद्रों के अर्थ में गरीब वर्गों को निर्यातपूर्ण सुविधाओं से वरिष्ठ वरिष्ठ पड़े। उन्होंने कहा कि योजना के तहत परिवार को 5 लाख रुपये तक के प्रो इलाज का लाभ देना है। यह निम्नलिखित प्रकार के प्रत्येक अस्पताल का सकता है। आयुष्मान भारत योजना के तहत कोविड-19 के काल में जनता को निर्यात केन्द्रों की आवश्यकता का लाभ देना है, जबकि केंद्रों के अर्थ में गरीब वर्गों को निर्यातपूर्ण सुविधाओं से वरिष्ठ वरिष्ठ पड़े। उन्होंने कहा कि योजना के तहत परिवार को 5 लाख रुपये तक के प्रो इलाज का लाभ देना है। यह निम्नलिखित प्रकार के प्रत्येक अस्पताल का सकता है। आयुष्मान भारत योजना के तहत कोविड-19 के काल में जनता को निर्यात केन्द्रों की आवश्यकता का लाभ देना है, जबकि केंद्रों के अर्थ में गरीब वर्गों को निर्यातपूर्ण सुविधाओं से वरिष्ठ वरिष्ठ पड़े। उन्होंने कहा कि योजना के तहत परिवार को 5 लाख रुपये तक के प्रो इलाज का लाभ देना है। यह निम्नलिखित प्रकार के प्रत्येक अस्पताल का सकता है।

## रोग से डरो न, आयुष्मान और हिमकेयर हैं न

रमेश सिंघाणा • शिमला

केंद्र और राज्य सरकार की स्वास्थ्य बीमा योजनाएं हैं न तो किसी रोग से डरो न। जो हों, कोरोना काल में भी केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत और हिमाचल सरकार की हिमकेयर स्वास्थ्य बीमा योजना सुरक्षा कवच साबित हो रही हैं। इन योजनाओं से हिमाचल के करीब 13 लाख परिवारों को सहायता मिली है। हिमकेयर से 463365 और आयुष्मान भारत से 836285 परिवारों को स्वास्थ्य बीमा कवच मिला है। इन योजनाओं के तहत अभी तक 138239 मरीजों का निःशुल्क इलाज कराया गया है।

### जागरण विशेष

हिमाचल के 13 लाख परिवारों का हुआ स्वास्थ्य बीमा कवच

### केस स्टडी

सिरधर के निर्यात केन्द्रों को कोटी-घोंघ निवारी हरिसिंह के बेटे को पिछले साल दिसंबर में घोट लगी। पहले उतराखण्ड के विकास नगर में निजी अस्पताल में इलाज कराया। (कनेक्ट साइट) खर्च आया, पर आराम नहीं हुआ इसके बाद बेटे को शिमला के आइजीएमसी पहुंचाया गया। गरीब परिवार ने संघर्ष करने के बावजूद किसी भी योजना का कार्ड नहीं बनाया। जब टोकर लगी तो तभी मातुम हुआ कि सरकार की ऐसी योजना भी है। हरिसिंह ने तभी टान लिखा कि अब योजना में नाम जरूर दर्ज कराया।

केंद्र की मोदी सरकार ने गरीबों का पांच लाख का स्वास्थ्य बीमा कराया तो हिमाचल सरकार इसी के समानांतर एक और योजना हिमकेयर लाई। देश के लिए संकट का वकत चल रहा है। ब्रेजक भारत के हाल दूसरे कोरोना प्रभावित कई देशों से बेहतर हैं, पर खतरा तो है ही। छोटे-बड़े रोजगार खत्म हो गए।



आयुष्मान भारत और हिमकेयर योजना हिमाचल के लिए वरदान साबित हो रही है। हिमकेयर में पांच लाख रुपये तक का बीमा होता है। इसका जनता से काफी अच्छा फीडबैक आया है। लोग सरकार की योजना की काफी सराहना कर चुके हैं। राज्य सरकार लोगों के स्वास्थ्य हितों को लेकर अत्यंत खेदजनक है। केंद्र की योजना को भी प्रभावी तरीके से किया शतकिय जा रहा है।

क्यास करोड़ों लोगों का रोजगार लौट गया। ऐसे में अगर कोई बीमार हो जाए तो परिवार की तबदीली और

